

वादा/परिवादी समस्थित/अन्यस्थित है।

पत्रावली का पेश है।

06/12/2024

पत्रावली यथा इच्छा की लक्ष्यकान्  
शुभ वृत्तस्य उन्नयनं प्रीति आकर  
पत्रावली का अचलान् मन्त्रं प्रीति  
अप्या। सन्तुल्य वृत्तस्य क पत्रावली क  
मन्त्रं के उपरान्त, के आचार कर  
पत्रावली में जारी अन्तर्गत अन्तर्गत  
विशेषात् आदेशः दिनांक 24/12/2020  
साल बाद के अन्तर्गत अन्तर्गत वव  
अन्तर्गत (पुष्ट) प्रीति आकर है। पत्रावली  
पौसल अन्तर्गत अन्तर्गत बाद अन्तर्गत आदेश अन्तर्गत है।

अन्तर्गत